Appendix F

List of Originality Responses

	सुईं के उपयोग	Originality Weightage
१-	गुब्बारा, निप्परा, टायर छेद करने के काम	२
२-	छोटे मुह की शीशी से कार्क निकालने के काम	२
३-	पेन में फसी हुई ट्युब निकालने के काम	२
४-	सुइयां निगल कर आत्महत्या की जा सकती है	२
५-	दुश्मन को चोट पहुचाई जा सकती है	१
६-	हत्या की जा सकती है -- ज़हर में डुबो के	१
७-	आंख फोड़ने के काम	२
८-	कीड़े मारने के काम	२
९-	लकड़ी के सिरे पर।तीर के आले में लगाकर	२
१०-	हथियार बना सकते है	१
११-	फोड़े की गन्द निकालने के काम	१
१२-	दीवार पर रगड़-रगड़ कर लिखने के काम	२
१३-	चश्में के ढांचे में सहारे के काम	२
१४-	खिलौनों में सहारे के काम	२
१५-	छोटे से यंत्र के बहुत छोटे -छोटे पुर्जे इक्कठे करने के काम	१
१६-	पैमाने के तौर पे यानि लम्बाई, चौड़ाई, गहराई नापने के काम	२
१७-	चिपकी चीज उठाने के काम -- खाल, छिलका	१
१८-	बन्द ढक्कन खोलने के काम	१
१९-	बिजली की धारा का मण्डल पूरा करने के काम	२
२०-	काजल या सुरमा लगाने के काम (मोटी सूई)	२
२१-	जमीन या दीवार में गाढ के कुछ अटकाने या लटकाने के काम	१
२२-	मछली पकड़ने के काम	२

		Originality Weightage
२३-	चश्में के ढांचे में कील की जगह	२
२४-	साथ वाले यात्री को चुबाकर जगह बनाने के काम	२
२५-	कच्छा को तंग करने के काम	२
२६-	दिशा दिखाने के काम	२
२७-	बिन्दु बनाने के काम	१
२८-	मशीनों में से मैल कुरेदने के काम	१

	मिट्टी के उपयोग	Originality Weightage
१-	पशुओं के लिए बिछाली बनाने के काम	१
२-	सफेदी करने के काम	१
३-	पानी साफ करने के काम	२
४-	कपड़े साफ करने के काम	२
५-	चमड़ी की बीमारियां दूर जैसे खुजली, दाद, चोट	१
६-	नक्सीर फूटने पर काम में जाती है	१
७-	गीली करके माथे पर लगायें तो ताप उतरता है	१
८-	पोटली में बांध के सिकाई करने के काम	१
९-	सूजन उतारने के काम	१
१०-	खनिज पदार्थ निकालने के काम जैसे लोहा, शीशा	१
११-	गीली जगह सुखाने के काम	२
१२-	फैली स्याही सुखाने के काम	२
१३-	चीजें जोड़ने के काम	२
१४-	साचा ढालने के काम	२
१५-	चमक दूर करने के काम	२
१६-	चीजें सड़ाने के काम	२
१७-	घोल का रंग बदलने के काम	२
१८-	कोई भी रंग मिलाकर सजावट के काम	१
१९-	कीड़े - मकोड़े मारने के काम	२
२०-	पूजा के काम	१
२१-	मसालों में मिलावट के काम	२
२२-	निशान लगाने के काम	२
२३-	हवा की दिशा देखने के काम	२
२४-	पत्थर पर लिखकर संदेश पहुचाने के काम	२

205

		Originality Weightage
२५-	किसी भी चीज को जमीन में स्थिर करने के काम	१
२६-	सुंघाने से मिर्गी दूर करने के काम	१
२७-	घिसाव पैटल करने के काम	२
२८-	कोले या पक्का भूनने के काम	२
२९-	किसी भाग की भौगोलिक दशा के बारे में जानकारी	२
३०-	पच्छर पैदा करने के काम	२
३१-	जमीन समतल बनाने के काम	१

यदि मनुष्य धरती के बदले पानी में रहना शुरू कर दे

		Originality Weightage
१-	मनुष्य का स्वभाव बदल जायगा	२
२-	जलजीवियों की तरह ही सोचेंगा	२
३-	मनुष्य खूंखार हो जायगा	२
४-	पानी के जानवरों को तंग करेगा	२
५-	पानी के पौधों के भी उगने नहीं देगा	२
६-	मनुष्य काटा करेगा	२
७-	मेंढकों तथा मछलियों की सी भाषा बोलेगा	१
८-	पानी के बाहर वाले जीवों को पानी नहीं पीने देगा	१
९-	अपने आप को किसी के हाथ नहीं लगने देगा	२
१०-	मनुष्य की नाक खत्म हो जायगी	२
११-	शरीर खुरदुरा हो जायगा	२
१२-	अन्डे देने लगेगा	२
१३-	गले में पानी की एक थैली हो जायगी	२
१४-	त्वचा सख्त।गर्म।नर्म हो जायगी	२
१५-	पंख निकल आयेंगे	२
१६	पूंछ निकल आयगी	२
१७-	फेफड़े नष्ट हो जायेंगे	२
१८-	शरीर पर बाल नहीं रहेंगे	२
१९-	शरीर का रंग बदल जायगा	२
२०-	त्वचा से सांस लेगा	२
२१-	भागने की शक्ति कम हो जायगी	२
२२-	व्हेल मछली की तरह पानी के गुब्बारे छोड़ेगा	२
२३-	सूखा खाना खा ही नही पायगा	२
२४-	हाथ पैर नहीं रहेंगे	२

Originality Weightage

२५-	वह नंगा रहने लग जायगा	२
२६-	पानी को ही अपने खास प्रणाली में ले लेगा	२
२७-	शरीर कोमल हो जायगा	२
२८-	शरीर गलने लग जायगा	२
२९-	निमोनिया एक आम बिमारी हो जायगी	२
३०-	आखें खराब हो जायेंगी	२
३१-	शरीर का संतुलन जाता रहेगा	२
३२-	गर्मी कम होने से जुकाम लग जायेगा	२
३३-	मर जाने से लाशों की बदबू पानी को गन्दा कर देगी जो औरों के मरने का कारण बन सकती है।	२
३४-	मनुष्य की औसत आयु कम हो जायगी	२
३५-	मनुष्य अन्न के बगैर रह नहीं सकता, अन्न उसे मिलेगा नहीं तो वह मर जायगा	१
३६-	शौच इत्यादि पानी के अन्दर करना पड़ेगा इससे बहुत सी बीमारियां फैलेंगी	२
३७-	पीने के पानी में सब गन्दगी पी जायेंगे	१
३८-	सर्दियों में जब पानी जमेगा और बहुत नीचे सतह पर सांस नहीं ले सकेंगे तब भी मरेंगे	२
३९-	ठंड से मर जायेंगे।जनसंख्या घटेगी	१
४०-	पानी अपने अन्दर अशुद्धि महसूस करेगा	२
४१-	पानी की कमी हो जायगी	१
४२-	पानी अपवित्र माना जायगा	२
४३-	पानी में रहने वाले जीवों की कमी हो जायगी	२
४४-	पानी नरक बन जायगा और एक तूफान सा मच जायेगा	२
४५-	भयन्कर युद्ध होगा	२

		Originality Weightage
४६-	पानी दूध के भाव बिकेगा ज्यों अब जमीन बिकती है	२
४७-	समुद्रों की शक्ल और सूरत बदल जायगी	२
४८-	समुद्रों मी उतना ही आकर्षक होगा जितना अब धरती है	१
४९-	मनुष्यों के कारण बाढ आ जायगी	२
५०-	धरती पर पानी छा जायगा	२
५१-	धरती कुछ अंश मात्र ही रह जायगी	२
५२-	धरती पर भयन्कर तत्व पैदा हो जायेंगे	२
५३-	धरती मां अग्नि के समान भड़क उठेंगी	२
५४-	धरती पर वह जानवर बहुत हो जायेंगे जिनका शिकार मनुष्य करता था	१
५५-	धरती पर चलने की प्रतियोगितायें होंगी	२
५६-	धरती के उपयोग कम होंगे	१
५७-	धरती की कई मुश्किलों का समाधान हो जायगा	२
५८-	मनुष्य पर निर्भर जानवर मरेंगे	२
५९-	मनुष्य को आविश्कार करने धरती पर जाना होगा	२
६०-	खास लोगों को धरती पर रहने का प्रशिदारा दिया जायगा	२
६१-	कुछों को धरती पर भागने का शौक होगा	२
६२-	पानी के जीव जन्तु हारने पर धरती की शरण लेंगे	२
६३-	जानवरों का धरती पर राज्य हो जायगा	२
६४-	शायद आविष्कार, पढ़ाई लिखाई फिर जानवर किया करेंगे	२
६५-	मनुष्य पानी में नये - नये सुधार करेगा	२
६६-	पानी के खतरनाक जानवरों से बचने के लिये नये - नये हथियार टैंक आदि।बन्दुक, आदि खोजेगा	२
६७-	पानी के अन्दर युद्ध के सामान बनायेगा	१
६८-	ऐसे यातायात के साधन बनायगा जिनमें पानी की जगह पेट्रोल लगता हो	२

--८-

209
Originality
Weightage

६९-	ऐसे यन्त्र बनायगा जिनसे सांस लेना आसान हो जाय	२
७०-	पानी में चलने वाले यातायात के साधन बनायगा	१
७१-	पानी में वायु लाने का प्रयत्न करेगा	२
७२-	पानी में घर ऐसे बनायगा कि आक्सीजन बाहर न जाय और पानी अन्दर न आये	२
७३-	ऐसे यन्त्र बनायगा जो पानी में खराब न होते हो	१
७४-	पानी में खनिज पदार्थ ढूढेगा	२
७५-	पानी की गहराई या कोई और नाप का यन्त्र बनायगा	२
७६-	पानी की सतह पर जहाज, मोटरें, स्कूटर इत्यादि चले	१
७७-	आविष्कारक चांद के बजाये धरती की खोज करेंगे	२
७८-	धरती पर जाने के लिए यातायात के साधन बनेंगे	१
७९-	पानी में ही आग जलेगी	१
८०-	पानी में ही अस्पताल होंगे। बच्चे पैदा होंगे	१
८१-	तब मनुष्य धरती पर रॉकेटस भेजेगा	२
८२-	पानी में मीटर बोटों के लिए पेट्रोल पम्प होंगे	१
८३-	हर इस्तमाल की वस्तु ऐसी बनेगी जिसमें जलप्रवेश नही ।	२
८४-	अन्तरिक्ष देखने के लिए दूसरे किस्म के यन्त्र बनेंगे	२
८५-	बिजली बनाने की समस्या खड़ी हो जायगी	२
८६-	मनुष्य जीव जन्तुओं का नेता बन जायगा। राजा	२
८७-	मनुष्य आपस में भी लड़ - लड़ के मरेंगे	१
८८-	मनुष्य और जलजन्तुओं में खेल प्रतियोगितायें होंगी	२
८९-	मनुष्य और जलजन्तु आपस में व्यापार करेंगे	२
९०-	मनुष्य और जलजन्तुओं के रिश्ते जैसे प्यार, शादी होने लगेगी	२
९१-	अनुशासन का प्रश्न खड़ा हो जायगा	२
९२-	मनुष्य और जलजीवी अपना - अपना देश पानी में बनायेंगे फिर प्रदेशों के लिए झगड़ा करेंगे	२
९३-	आकाश के पक्षी मनुष्य को सतायेंगे	२

		Originality Weightage
६४-	पृथ्वी के जानवर मनुष्य को खायेंगे	२
६५-	पानी में एक नये संसार का निर्माण होगा	२
६६-	किसी और किस्म के कपड़े जिनपर पानी का असर न हो पहना करेंगे जैसे प्लास्टिक रबर खाल इत्यादि	२
६७-	नये तरह के खेत और खेल के मैदान होंगे	२
६८-	गांव के गांव और शहर के शहर बस जायेंगे	२
६९-	पानी में तरह - तरह के दर्शनीय स्थान बनायगा	२
१००-	उड़ने लगेगा	२
१०१-	पानी में ही पढ़ाई लिखाई।पाठशाला आदि होगी	२
१०२-	पानी के अन्दर ही चलचित्र बनेंगे ।	१
१०३-	पानी में ही फौजी अड्डे होंगे	२
१०४-	कपड़े।हलवाई।परचून की दुकान।कारोबार सब पानी में होंगे	१
१०५-	दूसरे देशों पर आक्रमण जल के रास्ते होगा	१
१०६-	आजकल के श्रृंगार नहीं कर सकता	२
१०७-	सिगरेट नहीं पी सकता	२
१०८-	स्मरण।सोचने की शक्ति लुप्त हो जायगी	२
१०९-	इतना समझदार नहीं रहेगा	१
११०-	पानी में डूब के आत्म हत्या नही कर सकता	२
१११-	शव नहीं जला सकेंगे	२
११२-	पढ़ाई लिखाई, स्कूल, दफ्तर की जरूरत नहीं	१
११३-	हीरे मोती बहुत होने से उनका व्यापार बढ़ जायगा	२
११४-	मनुष्य सीपियों में रहेगा	२
११५-	हीरे मोतियों का चोरी छिपे व्यापार होगी	२
११६-	बच्चे मिट्टी के बदले सीपियों से खेलेंगे	२
११७-	बिस्तर कपड़े सब सीपियां ही होंगी	२
११८-	नक्क आसानी से मिलेगा	२

211 Originality Weightage

११९-	घर भी हीरे मोतियों से बनायगा	२
१२०-	हीरे मोतियों का दाम घटेगा	२
१२१-	इन निधियों के लिए लड़ाई होगी	२
१२२-	मनुष्य पानी में ही अपना देवता चुनेगा	२
१२३-	मनुष्य पानी में ही अपना नेता चुनेगा	१
१२४-	चुनाव के समय अलग - अलग समुद्रों में वोट डाले जायेंगे	२
१२५-	यहां के नेता, मन्त्री, प्रधान मन्त्री सब बेकार वहां के लिए	१
१२६-	जलजीवी मनुष्य से शिक्षा लेंगे	२
१२७-	मनुष्य का शादी विवाह नहीं होगा	२
१२८-	परिवार नियोजन विभाग बन्द	२
१२९-	अंग प्रदर्शन का मौका मिलेगा	२
१३०-	जल ही सम्पति होगी और बटेगी	२
१३१-	मनुष्य अपने उपर जहाज आदि नहीं चलने देगा	२
१३२-	पानी से बिजली नहीं बनने देगा	१
१३३-	सरहद विवाद समाप्त हो जायेंगे	१
१३४-	कोई भी पानी के किसी हिस्से को अपना नहीं कह सकता	२
१३५-	व्हेल तथा अन्य मछलियां सेना के काम आयेंगी	२
१३६-	जलजन्तु यात्रा के साधन बनेंगे	२
१३७-	जलजन्तु बोझ ढोने के काम आयेंगे	२
१३८-	बिजली के लिए सरकार उन मछलियों को पालेगी जिनसे बिजली निकलती है	२
१३९-	टेलीविज़न के लिए सुनारी मछली से काम लेगा	२
१४०-	व्हेल मछली का तेल पाना आसान हो जायगा	२
१४१-	गोता खोरों के आक्सीजन साथ ले जाने की जरूरत नहीं	२
१४२-	आक्सीजन की कमी से आग लगने का डर नहीं	१
१४३-	जो भी आक्सीजन पानी में है मनुष्य ले लेगा तो जलजीवी मर जायेंगे	२

--११-

212 Originality Weightage

१४४-	आक्सीजन के सिलिंडर की कीमत बढ़ जायगी	२
१४५-	आक्सीजन की थैली हमेशा साथ रखनी पड़ेगी	२
१४६-	हर वस्तु तरल रूप में मिलेगी	१
१४७-	पानी भी कई तरीकों में व्यंजन की तरह पिया जायगा	२
१४८-	फिर मनुष्य एक जगह टिक कर नहीं बैठेगा यानि तालब से नदियों में, फिर समुद्रों में पहुंच जायगा	२
१४९-	मनुष्य नदी, नाले, कुऐ, तालाब आदि में पाया जायगा	२
१५०-	बारिश के दिनों में धरती पर भी पैदा होगा	२
१५१-	पाताल क्या है मालूम हो जायगा -- लोग हैं कि नहीं वहां	२
१५२-	मनुष्य बाहर की दुनिया को देखेंगा गर्दन उठा - उठा कर एक अजूबे की तरह	२
१५३-	मनुष्य किसी जलजीवी, कीड़े - मकौड़े के नाम से जाना जायगा	१
१५४-	नवसेना की जरूरत बढ़ेगी	२
१५५-	मनुष्य कोशिश करेगा कि जहां पानी नहीं है वहां भी पहुंच जाय	२
१५६-	सृष्टि में भयन्कर परिवर्तन आ जायगा	२
१५७-	:प्यास: शब्द ही शब्दकोष में नहीं रहेगा	२
१५८-	जो जानवर या पौधे पानी में नहीं होते उनका ज्ञान नहीं हो सकेगा	२
१५९-	हो सकता है मनुष्य धरती और पानी दोनों का फायदा उठाये	१
१६०-	सूती कपड़ों को मनुष्य एक अजीब चीज समझेगा	२
१६१-	पौधों को पानी की जगह मिट्टी डालनी पड़ेगी	२
१६२-	विस्फोट पदार्थ ज्यादा हानि नहीं पहुंचा सकेगें	२
१६३-	गोला बारूद की जगह तलवार बरछे से लेंगे	२
१६४-	रूपये पैसे का प्रचलन बन्द हो जायगा	२
१६५-	नवजात शिशुओं को तैरना तो आता नहीं होगा, वे डूब जायेंगे	१
१६६-	मनुष्य इस भगवान की उपासना नहीं करेगा	२

213 Originality Weightage

१६७-	पानी से प्रेम हो जायगा	२
१६८-	जलचरों के रहने की जगह कम हो जायगी	२
१६९-	समुद्री जहाजों का काम मनुष्य खुद करेगा	२
१७०-	जीवन का एक ही उद्देश्य होगा -- भोजन	२
१७१-	आदमी के घर पत्थर के होंगे	१
१७२-	जो कुछ धरती पर है पानी में भी होगा पर शायद तैरता हुआ	२
१७३-	घरों में शायद कोई खिड़की दरवाजा न हो	२
१७४-	सोने के लिए धरातल पर जाना पड़ेगा	२
१७५-	बाहर के जानवर मनुष्य को पानी में देख कर हसेंगे	२
१७६-	मनुष्य की आवश्यकतायें कम हो जायेंगी	२
१७७-	किसी को सजा देने के लिए धरती पर फेंकने की धमकी देंगे	२
१७८-	यातायात दुतफा बनाना पड़ेगा	२
१७९-	सांप की तरह मोती बनायेगा	२
१८०-	ब्रह्मा मनु को नये सिरे से सृष्टि की रचना करने को कहेंगे	२
१८१-	मनुष्य पानी से भी एक दिन तंग आ जायगा	२
१८२-	सारी दुनिया एक जलनगरी लगने लग जायगी	२
१८३-	मनुष्य का दिमाग और व्हेल आदि का बल अच्छा संगम रहेगा	२
१८४-	कवि मछलियों की सुन्दरता का वर्णन करेंगे	२
१८५-	पृथ्वी मनुष्य को खो बैठेगी	२
१८६-	चन्द्रमा निकलने पर लहरें उठती है वह नहीं उठने देगा	२
१८७-	मछलियां घरों में रहना सिख जायेंगी	२
१८८-	किसी और को मछली नहीं खाने देगा	१
१८९-	पानी को गहरा करता चला जायगा	२
१९०-	आने वाली पीढी आश्चर्य करेगी कि उनके पूर्वज पानी में रहते थे	२

214

यदि मनुष्य की देखने की शक्ति समाप्त हो जाय

		Originality Weightage
१-	मनुष्य अपना रंग रूप नहीं देख पायगा	२
२-	मनुष्य फिर जन्म से अन्धा पैदा होगा	२
३-	मनुष्य ऐसे यन्त्र तालाश करेगा जो बगैर देखे चले	२
४-	ऐसे चश्मे बनेंगे जिनसे दिखे	२
५-	ऐसे यातायात के साधन होंगे जो बिना देखे चलाये जा सके	२
६-	ऐसे यन्त्र बनेंगे जिनसे दूर से मालूम हो जाय कि क्या चीज सामने से आ रही है	२
७-	चलने के लिए मशीनों की जरूरत पड़ेगी	२
८-	मनुष्य नई तरह की भाषा और लिखने का ढ़ग निकाल लेगा जिससे चित्रकला, पुस्तकें सब बदल जायगी	२
९-	मनुष्य किसी और अंग से देखने लगेगा	२
१०-	कोई तीसरी नई आंख बन जायगी	२
११-	आंख की रोशनी पर खोज होगी	१
१२-	चांद तारों का अध्यन रुक जायगा	१
१३-	जीवन का ठीक प्रयोग मनुष्य नहीं कर सकेगा	२
१४-	जानवर और वस्तुओं का ठीक उपयोग नहीं कर सकता	२
१५-	आज के श्रंगार के तरीके बन्द	२
१६-	मनुष्य शत्रुता नहीं पाल सकता	२
१७-	समय पता लगाना मुश्किल	२
१८-	मौसम का अनुमान कठिन	१
१९-	आपस में लड भिड़ जायेंगें	१
२०-	हो सकता है एक दूसरे को खाने लगे	२
२१-	गलतफहमियों से मृत्यु होगी	१
२२-	गलत चीज खाकर मृत्यु (जहरीला कीड़ा, गन्दगी)	१
२३-	गलत चीज को छूकर (आग, जानवर)	१

		Originality Weightage
२४-	भूख से मर सकता है	१
२५-	चोट लगने पर इलाज नहीं हो सकेगा	१
२६-	मनुष्य का मस्तिष्क बहुत जागरूक हो जायगा	२
२७-	बुद्धि का विकास होगा	२
२८-	कल्पना शक्ति बढ़ेगी	२
२९-	गन्ध से ज्ञान हो जायगा	२
३०-	जिज्ञासा बहुत बढ़ जायगी	२
३१-	कानों से आंख का काम लिया जायगा	२
३२-	मन की आखों की रौशनी तीव्र हो जायगी	२
३३-	बाकी की इन्द्रियां गतिशील हो जायेंगी	२
३४-	मुह से बहुत काम लेगा	२
३५-	काव्य बढ़ेगा।कवियों की तादाद बढ़ेगी	२
३६-	अनुभव से या महसूस करके जान पायगा	२
३७-	स्वाद से चीजे पहचानेगा	२
३८-	आजकल वाली सभ्यता नष्ट	२
३९-	मनुष्य पशु जैसा हो जायगा	१
४०-	शारीरिक ताकत राजा बनने का सिध्दान्त होगा	२
४१-	मनुष्य बगैर वस्त्र फिरने लगेगा	२
४२-	मनुष्य वापस आदि मानव बन जायगा	२
४३-	आज का युग पुरातन काल माना जायगा	२
४४-	मनुष्य का आदर कम हो जायगा	२
४५-	मनुष्य के चेहरे की शोभा कम हो जायगी	२
४६-	मनुष्य का बाह्य जगत का ज्ञान घटता जायगा	२
४७-	मनुष्य एक नई तरह की दुनिया बनायगा	२
४८-	कोई परिवार नहीं होंगे	२
४९-	मशीनी युग खत्म हो जायगा	२

		Originality Weightage
५०-	नेत्र दान बन्द हो जायगा	२
५१-	खोटे पैसे चलने लग जायेंगे	२
५२-	मुद्रा चलनी बंद हो जायगी	२
५३-	रुपया पैसा पत्थर का बनने लगेगा	२
५४-	स्त्रियों की जांच मार से होगी	२
५५-	व्यापार कम हो जायगा	१
५६-	चोरियां अधिक होगी	१
५७-	हो सकता है मानव पर पशु पक्षी का राज्य हो जाय	२
५८-	गोरिला या वानर मनुष्य को पढ़ाने लग जाय	२
५९-	पशु आजाद हो जायेंगे। उनके मन में जो आयगी, करेंगे	२
६०-	मनुष्य पशु बनना पसंद करेगा	२
६१-	मनुष्य के लिए जानवर पालना जरूरी हो जायगा	१
६२-	मनुष्य घरों में ही अधिकतर रह कर काम करेगा	१
६३-	जानवर आराम से रह सकेगा	२
६४-	मनुष्य मिल कर रहने लग जायेंगे	२
६५-	मनुष्य लडाई मोल नही ले पायेंगे	१
६६-	लाठियों का अकाल पड़ जायगा	२
६७-	कोई किसी की मदद नहीं कर सकेगा	१
६८-	लकड़ी की कीमत बढ जायगी	२
६९-	मनुष्य बुराई से बचेगा चूकि बुराई देखेगा नहीं	२
७०-	मनुष्य के विचारों में परिवर्तन आ जायगा	२
७१-	दूसरों का दर्द (अन्चेपन) महसूस कर पायगा	१
७२-	सुन्दर असुन्दर या गोरा-काला का भेद खत्म	१
७३-	अपने पराये का भेद भी खत्म	१
७४-	मनुष्य भगवान से तीसरी आंख मागेगा	२
७५-	टक्कर लगने पर लोग एक दूसरे से कहेंगे :बहरे हो, सुनाई नहीं पड़ता कौन आ रहा है:	२

217
Originality
Weightage

७६-	एक दूसरे की भाषा नहीं समझ पायेंगे	२
७७-	शिक्षा संस्थान बन्द हो जायेंगे	२
७८-	अंध महाविद्यालय खुलने लगेंगे	२
७९-	आजकल के अन्धे ज्यादा अनुभवी होने से नये अन्धों को काम सिखा देंगे	२
८०-	भिखारी अन्धे होने का नाटक नहीं कर पायेंगे	२
८१-	नये तरह के खेल शुरू हो जायेंगे	२
८२-	किसी देश की सीमा नहीं रहेगी	२
८३-	प्रकृति से लगाव कम हो जायगी	१
८४-	हर देश अपने में सीमित हो जायगा	२
८५-	विज्ञान के वर्तमान उपकरण सब बेकार	२
८६-	शादी के समय एक दूसरे को देखने की प्रथा समाप्त	२
८७-	काले भौंड लोगों की शादी आसान	२
८८-	दाह संस्कार जैसी धार्मिक प्रथायें शायद समाप्त हो जाय	२
८९-	मनुष्य आने वाली दुनिया से अपरिचित रहेगा	२
९०-	कोई चीज गिरने पर घन्टों ढूंढनी पड़ेगी चूकि कोई नहीं बता सकेगा कहां पड़ी है	२
९१-	सृष्टि की रचना ठीक से नहीं हो सकेगी	२
९२-	सृष्टि का सुचारू रूप से चलना भी मुश्किल	२
९३-	:२६: जनवरी को राष्ट्रपत भवन पर मधूर मधूर धूनें बजेगी? (चूकि मनुष्य कानों से आंख का काम लेगा)	२
९४-	शब्द :अन्धा: शब्दकोष में रहेगा ही नही	२
९५-	आदमी की सुन्दरता उसकी आवाजहोगी	२
९६-	मनुष्य को आत्म निर्भर होना पड़ेगा	१
९७-	बीमारियां बहुत फैलेगी चूकि सफाई नहीं होगी	२
९८-	कपड़े न होने से ठन्ड में मरेंगे	२

		Originality Weightage
९९-	बेरोजगार हो जायगा	२
१००-	सब पुस्तकें व्यर्थ	२
१०१-	बिजली के बल्बों का आकर्षण खत्म	२
१०२-	आज का विज्ञान अवनति पर आ जायगा	२
१०३-	तंग आ के लोग आत्म हत्या करने लगेंगे	१
१०४-	वह अपने शरीर की भी कल्पना करेगा	२
१०५-	आखें चेहरे से मिट जायगी	२
१०६-	धातु के मोटे अक्षर बनेंगे। छू कर पढ़ेंगे	२
१०७-	फिर मनुष्य की सोचने की शक्ति कम हो जायगी	१
१०८-	अन्धेपन की कसौटी पर सरकार बनेगी	२
१०९-	लोग तंग आकर एक दूसरे से लड़ने लगेंगे	२
११०-	गाड़ियां नहीं होंगी, इससे हवा गन्दी नहीं होंगी	२
१११-	मनुष्य का ज्ञान अधूरा रह जायगा	१
११२-	अन्धों की सन्तान भी फिर अन्धी होगी	२
११३-	यह संसार ही धीरे धीरे नष्ट हो जायगा	२
११४-	ईश्वर चैन की सांस लेगा	२
११५-	पेड़ पौधों की रक्षा नहीं कर सकता मनुष्य	१
११६-	संचार व्यवस्था बन्द	१
११७-	इस वक्त की हर वस्तु का नया नाम होगा	२
११८-	लोग आमतौर पर पैदल ही चलेंगे	१
११९-	एक नाक कोई चीज संसार में नहीं रहेगी	२
१२०-	दुनियां मे शान्ति हो जायगी	२
१२१-	सुरमा काजल वालों का धन्धा चौपट	२
१२२-	दूसरे ग्रह के लोग नेत्र दान करेंगे	२
१२३-	कर्जदार नहीं दिखेंगे	२

219

		Originality Weightage
१२४-	आने वाली पीढी को मालूम ही नहीं होगा कि आखे क्या चीज होती है	२
१२५-	रेडियो बहुत मात्रा में बनेंगे	२
१२६-	राष्ट्रीय आय में हानि	२

समस्यात्मक स्थिति

समस्या और हल

एक डाक्टर मरीज के घर से बहुत रात गये लौट रहे थे । रास्ते में उनकी गाड़ी खराब हो गई । यह देखने के लिए कि क्या खराबी है उन्होंने दियासलाई जलाई । हवा बहुत तेज चलने की वजह से तीली मशीन तक पहुचने से पहले ही बुझ जाती थी । गाड़ी की हैड लाईट बिल्कुल ठीक काम कर रही थी । बताइये किन किन तरीकों से वह देख सकते है कि गाड़ी में क्या खराबी है ।

		Originality Weightage
१-	दो बड़े बड़े पट्टे मशीन के दोनों तरफ रख दें जैसे गले, लकड़ी या कागज के, इससे वहा रुक जायगी	२
२-	कोई भी पालीश हुई चीज का पृष्ठ भाग हैड लाईट के सामने इस प्रकार रखे कि रौशनी प्रतिबिम्ब हो	२
२-अ-	अपारदर्शक मे रौशनी प्रतिबिम्ब हो सकती है	२
३-	धातु की मुडी हुई तश्तरी समेत हैड लाईट बाहर निकाल कर इंजन तक पहुचाइये	२
४-	टीन का कोई बड़ा टुकड़ा रौशनी को दूर जाने से बचायेगा और वापस फेंक देगा	२
५-	गाड़ी की सीट से भी रौशनी वापस आ सकती है	१
६-	आस पास का कूड़ा करकट इकठा करके उसमे पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दीजिये	२
७-	दिया सलाई पहले पेट्रोल में भिगो के जलायें	१
८-	मशाल जला लीजिये	२
९-	फालतू, बेकार टायर हो तो जला लें	२
१०-	किसी आने जाने वाली गाड़ी की हैड लाईट से	१

		Originality Weightage
११-	रूई को स्पिरिट में भिगो कर जलाएँ	२
१२-	गाड़ी का थोड़ा सा पेट्रोल किसी बर्तन में जलाए	१
१३-	किसी कपड़े को पेट्रोल में भिगो कर जलाए	१
१४-	किसी कागज को पेट्रोल में भिगो कर जलाए	२
१५-	लकड़ियों को पेट्रोल में भिगो कर जलाए	१
१६-	आस पास का कूड़ा इकठा कर के जलाए	२
१७-	कोई कपड़ा जलाएँ	१
१८-	स्पिरिटवाली बत्ती अगर हो तो गाड़ी के नीचे हवा कम होती है।	१

समस्यात्मक स्थिति

222

मान लीजिये कि आप एक ऐसे गांव में पहुंच गये है जहां कागज, कलम, स्याही इत्यादि नहीं मिलती । परन्तु आपने उस गांव में जो कुछ देखा उसे त्यौरे से आप एक डायरी (Diary) में लिखना चाहते है । क्या क्या ऐसे तरीके होंगे जिनसे आप यह डायरी बना कर लिख सकते हैं

स्याई	स्याही	Originality Weightage
१-	फूलों को यानि टेसू, गुलाब, केसर को पीस कर जो रस निकले वह स्याही	२
२-	फूलों को यानि तरबूज, अनार, संतरा, जामुन पीस कर	२
३-	घुआ जमाके तेल मिला के काजल से	१
४-	तवे की कालिख से	१
५-	ईंट को पीस के पानी में घोल के	२
६-	हल्दी को पीस के पानी में घोल के	१
७-	राख -- घांस फूस की पानी में घोल के	२
८-	सिन्दूर पानी में घोल के	२
९-	प्याज के पानी से -- फिर आग पर रखकर पढ़े	२
१०-	अदरख और नीबू का रस मिलाकर (लाल रंग)	२
११-	अकऊआ के सफेद दूध से	२
१२-	तेल से	२
१३-	चूने से	२
१४-	मोम से	२
१५-	रोगन से	२
१६-	लाख से	२
१७-	नीला थोथा	२

		Originality Weightage
१८-	बूट पालिश	२
१९-	उबली हुई चाय	२
२०-	कोई रंगीन दवा -- नीली, लाल, जामनी	१
२१-	नाखून पालिश	२
२२-	दूध से	२
	कलम	
१-	जली हुई दिया सलाई	२
२-	दांतून	२
३-	कोई जली हुई लकड़ी	२
४-	नाखूनों से	१
५-	चाकू से	२
६-	कील या कोई धातु	२
७-	मिट्टी के पके हुए पत्थर से टुकड़े	२
८-	बेंद्री के सैल से	२
९-	ब्रश से	२
१०-	सूई से कपड़े पर काढ काढ के	२
११-	आलू को काट कर उसका ढप्पा	२
१२-	ऊंगली से -- डुबो डुबो कर स्याही में	१
१३-	कैना हथौड़ी से -- पत्थर पर गढा गढा कर	२
१४-	हड्डियों ₹ से	२
	डायरी	
१-	कपड़े के छोटे छोटे तिनके अक्षरों के आकार मे	२
२-	काट काट के	
२-	पत्थरों को अक्षरों मे गढ गढ के	२
३-	चट्टानों पर	२

		Originality Weightage
४-	धातुओं पर -- लोहा, ताम्बा, पीतल, टीन	२
५-	स्टील के बर्तन, संदूक	२
६-	ईंटों पर	२
७-	रूई के अक्षार बना बना कर	२
८-	प्लास्टर ऑफ पेरिस	२
९-	मोम को गर्म कर किसी चीज पर बिछा कर का पाट सा बना ले	२
१०-	गोबर के अक्षार बना ले	२
११-	चमड़े पर	२
१२-	टूटे हुऐ मटके। प्लेट पर	१
१३-	चावल को पीस कर घोल बना कर बिछा लें	२
१४-	लकड़ी को बारीक पीस कर घोल बना कर पाट बना लें	२
१५-	जमीन:। सड़क पर	१
१६-	चटाई पर -- धागे पिरो पिरो के	२
१७-	शीशे पर	२
१८-	लकड़ी को अक्षारों में काट के	२
१९-	पेड का गूदा निकाल, कूट, सुखा के कागज बना ले	१
२०-	रूई के बड़े बड़े टुकड़ों पर	२
२१-	घास और तिनके के छोटे छोटे अक्षार	२